ने तबादला कानून लागू कर कर्मचारियों के मन में काफी गाई थी। लेकिन इसका पालन वह ऐक्ट महज एक छलावा गया है। 20-20 साल दुर्गम ाएं देने के बाद भी शिक्षकों के में तबादले नहीं हो पा रहे।

मंत्रियों को ज्ञापन सौंपकर अपनी मांगों को उठाने के कार्यक्रम के तहत पदाधिकारी मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत से मिले। जिलाध्यक्ष सुधा कुकरेती एवं उपाध्यक्ष अनिल बिष्ट ने सीएम को ज्ञापन सौंपा और मांगें उठाईं।

प्रदेश में देहरादून डिप्लोमा

गया। कुकरेती ने बताया कि सेवा नियमावली, संवर्ग का ढांचा पुनर्गठन, पोस्टमार्टम भत्ता, ओपीएस और लंबित पदोन्नतियां आदि को लेकर काफी दिनों से वह मांग उठा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया कि वह इस संबंध में अफसरों को निर्देशित करेंगे।

सरकार के खिलाफ आक्रोश जताया है।

इस दौरान डा. आदर्श उनियाल, डा.ऋषभ अग्रवाल, डा. अंकुर चौधरी, डा. अक्षत गुप्ता, डा. ऋषि मुदगल, डा.अमित सिंह, डा. एकता उनियाल, डा. विजयकीर्ती आदि मौजूद रहे।

Natural Laxative Granules & Tablets
24x7 Helpline: 91197 88888 • www.

की तैयारी स्माना

ांत घस्माना। ● हिन्दुस्तान

ता दरबार महज ावाः जोशी

दून। प्रदेश कांग्रेस महामंत्री जोशी ने सरकार की ओर से दरबार लगाने की घोषणा को दिखावा बताया है। बताया कि नजदीक आने पर सरकार को दरबार की याद आ रही है

डेल्टा व डेल्टा प्लस देश के र्जन राज्यों में दस्तक दे चुका है में इस कोरोना के नए संक्रमण ति भी हो चुकी है। तीसरी लहर ने की तैयारियां नहीं हैं।

गंगा की सहायक नदियां नमामि गंगे में हों शामिल

देहरादून | मुख्य संवाददाता

मुलाकात

- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मिले बिशन सिंह चुफाल
- पेयजल मंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के समक्ष रखा प्रस्ताव

पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। उनसे उत्तराखंड में गंगा की सहायक नदियों जैसे काली गंगा(शारदा), कोसी , गौला,गोमती, सरयू , जमरानी, लोहावती, कोसी, सौंग, रिस्पना आदि नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण को नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करने की मांग की। ताकि जल प्रदूषण की रोकथाम और जन सुविधा के लिहाज से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, स्नान एवं मोक्ष घाट की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जा सके।

पेयजल मंत्री चुफाल ने केन्द्रीय मंत्री को पत्र सौंप कर कुमाऊं क्षेत्र के धार्मिक एवं पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पिथौरागढ़ जनपद के थल में राम गंगा पर स्नान व मोक्ष घाट, सरयू नदी एवं रामगंगा नदी के संगम रामेश्वर पर संगम घाट, शारदा नदी की सहायक नदी रौतीस के तट पर पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नागेश्वर घाट और भारत एवं नेपाल दोनों देशों की आस्था के प्रतीक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हंसेश्वर घाट को प्राथमिकता के आधार पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत किये जाने का आग्रह किया।

बिशन सिंह चुफाल। ● हिन्दुस्तान

बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप उत्तराखण्ड के कुमाऊं मण्डल के जनपद ऊधमसिंह नगर के नौ पोल्यूटिंग स्ट्रेचेजस के आईएण्डडी एवं एसटीपी को 226.00 करोड़ की लागत की 07 डीपीआर एनएमसीजी को स्वीकृति हेतु भेजे गए हैं। जिन पर एनएमसीजी स्तर से थर्ड पार्टी अप्रेजल की कार्यवाही चल रही है। इन प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया गया।

केंद्रीय मंत्री ने उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रबन्ध निदेशक पेयजल उदयराज सिंह भी मौजूद रहे।

गैर राजस्व ग्रामों में भी मिले नल से जल

पेयजल मंत्री चुफाल ने केंद्रीय मंत्री से प्रदेश के ऐसे परिवार जो राजस्व ग्रामों में नहीं रहते, उन्हें भी नल से जल उपलब्ध कराने को जल जीवन मिशन में शामिल करने की मांग की। कहा कि जिला नैनीताल में बिंदुखाता, उधमसिंह नगर में बग्गा चवन,जैसे अनेकों गांव जो वन भूमि, सिविल फारेस्ट या शासकीय संपत्तियों पर वर्षों से रह रहे हैं, उनको भी हर घर नल से जल का लाभ दिया जाए। जिस पर केंद्रीय मंत्री जल शक्ति मंत्री ने समस्या के निराकरण पर विचार करने का आश्वासन दिया। कहा कि उत्तराखंड राज्य को केंद्र की ओर से किसी भी प्रकार से धन की कमी नहीं आने दी जायेगी।

के पास ऐतिहासिक

भाजपाइयों ने डीएम को बताई समस्या

छात्रों को डीजी लॉकर

नदियों को नमामि गंगे में शामिल करने की मांग

पर्यावरण

- पेयजल मंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मुलाकात कर उठाई मांग
- नदियों की निर्मलता और संरक्षण के लिए की गई मांग

अमृत विचार, हल्द्वानी

उत्तराखंड के पेयजल मंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत से मुलाकात कर गंगा की सहायक नदियों को नमामि गंगे प्रोजेक्ट में शामिल करने की मांग की है ताकि उनकी निर्मलता, अविरलता का संरक्षण एवं संवर्द्धन किया जाए।

पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर कहा कि राज्य की प्रमुख नदी गंगा नदी की सहायक नदियां काली गंगा, कोसी, गौला, गोमती, सरयू, लोहावती, सौंग, रिस्पना आदि नदियों की शुद्धता, स्वच्छता के लिए इन नदियों को नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल कर एसटीपी, स्नान एवं मोक्ष घाट बनाने की मांग की। उन्होंने पिथौरागढ़ जिले के थल में रामगंगा नदी पर स्नान व मोक्ष घाट, बागेश्वर में सरयू एवं रामगंगा नदी के संगम पर संगम घाट, शारदा नदी की सहायक नदी रौतीस के तट पर नागेश्वर घाट और भारत एवं नेपाल देशों की आस्था के प्रतीक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हंसेश्वर घाट को भी नमामि गंगे कार्यक्रम में मंजूरी देने की मांग की।

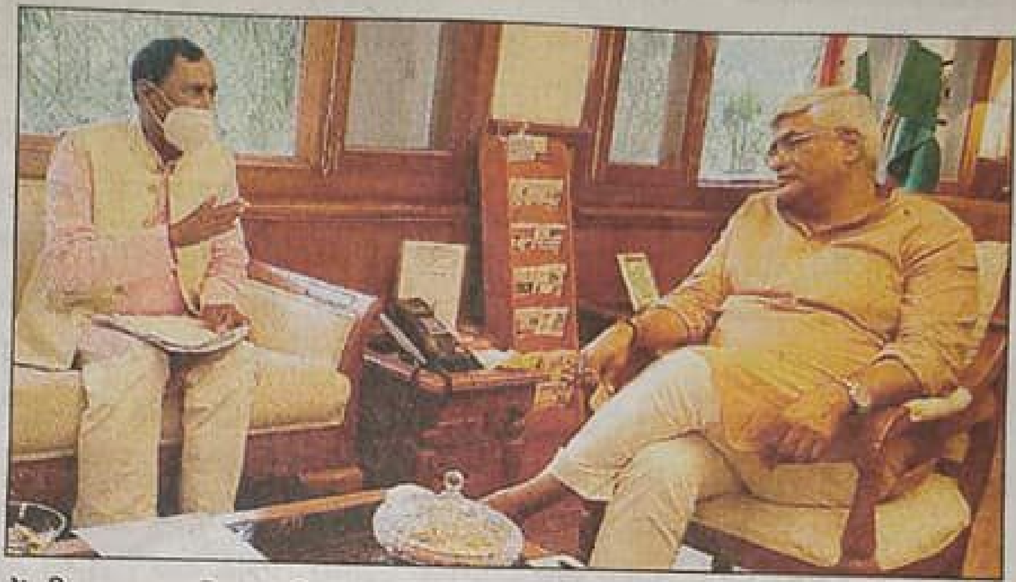

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत से मिलते पेयजल मंत्री।

वनभूमि पर बसे लोगों को भी मिले पेयजल कनेक्शन

हल्द्वानी। पेयजल मंत्री चुफाल ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के निर्देशानुसार कुमाऊं के ऊधमसिंह नगर के नौ पॉल्यूटिंग स्ट्रेचेजस के आईएंडडी एवं एसटीपी के लिए 226 करोड़ की लागत की सात डीपीआर एनएमसीजी को स्वीकृति के लिए भेजा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के नैनीताल और ऊधम सिंह नगर में अनेकों गांव जो वन भूमि, सिविल फॉरेस्ट या शासकीय संपत्तियों पर वर्षों से रह रहे हैं उनको भी फंक्शनल हाउस टैप कनेक्शन और जल जीवन मिशन के अंतर्गत लाभान्वित किए जाने की भी मांग की।

के समक्ष पेश होने का आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि जांच अधिकारी द्वारा को तैयार हैं। इस पर कोर्ट ने याचिका को निस्तारित कर दिया। कोर्ट ने अंतिम सुनवाई 22 ... लिए नियत कर दी। (जासं)

गंगा की सहायक नदियां भी हों नमामि गंगे में शामिल

राज्य ब्यूरो, देहरादून: पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर राज्य में गंगा की सहायक नदियों की स्वच्छता व प्रदूषण की रोकथाम को उन्हें नमामि गंगा अभियान में शामिल करने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री ने इस मांग पर विचार करने का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की योजनाओं के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी।

केंद्रीय जलशक्ति मंत्री से कैबिनेट मंत्री चुफाल ने कहा कि गंगा की सहायक नदियों में शामिल काली गंगा, कोसी, गौला, गोमती, सरयू, जमरानी, लोहावती, सौंग व रिस्पना समेत तमाम नदियों में जल प्रदूषण रोकने को उचित कदम उठाए जाने चाहिए। इन्हें केंद्र सरकार के ध्वजवाहक कार्यक्रम नमामि गंगे में शामिल किया जाना चाहिए। इन नदियों को ध्यान में रखकर सीवर ट्रीटमेंट प्लांट, स्नान व मोक्ष घाट की परियोजनाओं को मंजूरी मिलनी चाहिए।

उन्होंने जलशक्ति मंत्री से कुमाऊं क्षेत्र में पिथौरागढ़ के थल में रामगंगा नदी के संगम पर घाट, शारदा नदी की सहायक नदी रौतीस के तट पर नागेश्वर घाट एवं भारत व नेपाल के व्यक्तियों की आस्था से जुड़े हंसेश्वर घाट को प्राथमिकता के आधार नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करने की पुरजोर पैरवी की।

नई दिल्ली में जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत (दायें) से शिष्टाचार भेंट करते उत्तराखंड के पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल (बायें) ● साभार सूचि

कैबिनेट मंत्री चुफाल ने बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के दिशा-निर्देशों के अनुरूप ऊधमसिंहनगर जिले में सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट को 226 करोड़ की लागत की सात प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजे गए हैं। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से इन प्रस्तावों पर जल्द निर्णय लेने का अनुरोध किया। राजस्व ग्रामों से बाहर वन भूमि, सिविल वन अथवा सरकारी संपत्तियों पर वर्षों से रह रहे नैनीताल जिले के बिंदुखत्ता व ऊधमसिंहनगर जिले के बग्गा चवन जैसे गांवों के व्यक्तियों को पेयजल कनेक्शन व जल जीवन मिशन के तहत लाभ देने पर जोर दिया गया। चुफाल ने बताया कि केंद्रीय जलशक्ति से अन्य कई अहम बिंदुओं पर भी चर्चा हुई। इस दौरान पेयजल निगम के प्रबंध निदेशक उदयराज सिंह मौजूद रहे।

कार्यालय जिला परियोजना अधिकारी समग्र शिक्षा (प्रा.शि.) हरिद्वार

पत्रांक-एस.एस.ए./146/आर.टी.आई./विज्ञप्ति/2020-21 दिनांक 24/06/2021

शिक्षा का अधिकार अधिनियम की धारा 12(1)(C) के अंतर्गत जनपद हरिद्वार के असहायता प्राप्त निजी विद्यालयों एवं जनसाधारण हेतु सूचना

शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(1)(C) से आच्छादित असहायता प्राप्त निजी विद्यालयों को निर्देशित किया जाता है कि वे अपने विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों के बैंक खातों को सम्बन्धित विकासखण्ड के उप शिक्षा अधिकारी कार्यालय में मिलान करवाना सुनिश्चित करें। बैंक का अन्य बैंक में विलय/मर्जर होने के फलस्वरूप यह कार्यवाही अति आवश्यक है। बैंक खातों का मिलान न होने के कारण यदि किसी विद्यालय में अध्ययनरत बच्चों को

5 दिनों से बाधित है।

'नमामि गंगे' में ली जाएं गंगा की सहायक नदियां

देहरादून | मुख्य संवाददाता

पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र शेखावत से मुलाकात की। उनसे उत्तराखंड में गंगा की सहायक नदियों जैसे काली गंगा (शारदा), कोसी, गौला, गोमती, सरयू, जमरानी, लोहावती, कोसी, सौंग, रिस्पना आदि की स्वच्छता एवं संरक्षण को नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करने की मांग की। ताकि जल प्रदूषण की रोकथाम और जन सुविधा के लिहाज से परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जा सके।

चुफाल ने केन्द्रीय मंत्री को पत्र सौंप कर कुमाऊं के धार्मिक एवं पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पिथौरागढ़ जनपद के

चुफाल का प्रस्ताव

- पेयजल मंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के समक्ष रखा प्रस्ताव
- कुमाऊं की नदियों के किनारे पर घाटों के निर्माण की मांग

थल में रामगंगा पर स्नान व मोक्ष घाट, सरयू एवं रामगंगा के संगम रामेश्वर पर संगम घाट, शारदा की सहायक नदी रौतीस के तट पर नागेश्वर घाट और भारत एवं नेपाल की आस्था के प्रतीक हंसेश्वर घाट को प्राथमिकता के आधार पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत किये जाने का आग्रह किया। बताया कि एनजीटी के दिशा-निर्देशों के अनुरूप उत्तराखंड के जिला यूएसनगर

के नौ पोल्यूटिंग स्ट्रेचेजस के आई एण्ड डी एवं एसटीपी को 226.00 करोड़ की लागत की सात डीपीआर एनएमसीजी को स्वीकृति हेतु भेजे गए हैं। इन प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री ने कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान एमडी पेयजल उदयराज सिंह भी मौजूद रहे।

गैर राजस्व ग्रामों में भी मिले नल से जल

चुफाल ने केंद्रीय मंत्री से प्रदेश के ऐसे परिवार जो राजस्व ग्रामों में नहीं रहते, उन्हें भी नल से जल उपलब्ध कराने को जल जीवन मिशन में शामिल करने की मांग की। कहा कि जिला नैनीताल में बिंदुखत्ता, यूएसनगर में बग्गा चौवन जैसे गांव जो वन भूमि आदि पर वर्षों से रह रहे हैं, उनको भी हर घर नल से जल का लाभ दिया जाए। केंद्रीय मंत्री ने समस्या के निराकरण पर विचार करने का आश्वासन दिया।

गंगा की सहायक नदियां नमामि गंगे में हों शामिल

देहरादून | मुख्य संवाददाता

मुलाकात

- केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से मिले बिशन सिंह चुफाल
- पेयजल मंत्री ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री के समक्ष रखा प्रस्ताव

पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत से मुलाकात की। उनसे उत्तराखंड में गंगा की सहायक नदियों जैसे काली गंगा(शारदा), कोसी , गौला,गोमती, सरयू , जमरानी, लोहावती, कोसी, सोंग, रिस्पना आदि नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण को नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करने की मांग की। ताकि जल प्रदूषण की रोकथाम और जन सुविधा के लिहाज से सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट, स्नान एवं मोक्ष घाट की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की जा सके।

पेयजल मंत्री चुफाल ने केन्द्रीय मंत्री को पत्र सौंप कर कुमाऊं क्षेत्र के धार्मिक एवं पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पिथौरागढ़ जनपद के थल में राम गंगा पर स्नान व मोक्ष घाट, सरयू नदी एवं रामगंगा नदी के संगम रामेश्वर पर संगम घाट, शारदा नदी की सहायक नदी रैतीस के तट पर पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण नागेश्वर घाट और भारत एवं नेपाल दोनों देशों की आस्था के प्रतीक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हंसेश्वर घाट को प्राथमिकता के आधार पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत किये जाने का आग्रह किया।

बिशन सिंह चुफाल। ● हिन्दुस्तान

बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के दिशा-निर्देषों के अनुरूप उत्तराखण्ड के कुमाऊं मण्डल के जनपद ऊधमसिंह नगर के नौ पोल्यूटिंग स्ट्रेचेजस के आईएण्डडी एवं एसटीपी को 226.00 करोड़ की लागत की 07 डीपीआर एनएमसीजी को स्वीकृति हेतु भेजे गए

स ऐतिहासिक

भाजपाइयों ने डीएम को बताई समस्या

छात्रों को डीजी

कोविड की दूसरी लहर के बारे में किसी को पता नहीं था कि इतनी तेजी से लोग संक्रमित होंगे, इसके बावजूद

उसके लिए उन्हें सलाम है।

एसडीआरएफ व एनडीआरएफ की टीम ने भी मृतकों का दाह संस्कार

'नमामि गंगे' में शामिल करें अन्य नदियां: चुफाल

देहरादून। प्रदेश के पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने दिल्ली में जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से भेंट की। प्रदेश से जुड़ी कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर उनसे चर्चा की।

मंत्री चुफाल ने प्रदेश की प्रमुख नदियों काली गंगा (शारदा), कोसी, गौला, गोमती, सरयू, जमरानी, लोहावती, कोसी, सोंग, रिस्पना आदि की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करने की मांग की। जल प्रदूषण की रोकथाम एवं जन सुविधा के लिए एसटीपी, स्नान व मोक्ष घाट की परियोजनाओं की स्वीकृति भी मांगी। हर घर जल हर घर नल परियोजना की भी कार्य प्रगति से केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया। आगामी योजनाओं को लेकर चुफाल ने केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री को पत्र सौंपा। कुमाऊं क्षेत्र के धार्मिक एवं पौराणिक दृष्टि से महत्वपूर्ण घाट-तटों को प्राथमिकता के आधार पर नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीकृत करने का आग्रह किया। मंत्री चुफाल ने बताया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के निर्देशों के तहत ऊधमसिंह नगर के नौ पोल्यूटिंग स्ट्रेचेजस के आईएंडडी एवं सीवेज शोधन संयंत्र (एसटीपी) हेतु 226.00 करोड़ की लागत की सात डीपीआर (प्रस्ताव) एनएमसीजी को स्वीकृति हेतु भेजे गए हैं। जिन पर एनएमसीजी स्तर से थर्ड पार्टी अप्रेजल की कार्रवाई चल रही है। ब्यूरो

वन भूमि पर रहने वालों को भी मिले लाभ

चुफाल ने केंद्रीय मंत्री से प्रदेश के ऐसे परिवार, जो राजस्व ग्रामों में नहीं रहते। जैसे नैनीताल में बिंदुखाता, ऊधमसिंह नगर में बगा चवन जैसे अनेकों गांव जो वन भूमि, सिविल फॉरेस्ट या शासकीय संपत्तियों पर वर्षों से रह रहे हैं, उनको भी हर घर नल, हर घर जल, और जल जीवन मिशन के तहत लाभ देने की मांग की। इस पर जल शक्ति मंत्री शेखावत ने विचार कर कार्रवाई का आश्वासन दिया। इस दौरान प्रबंध निदेशक पेयजल उदयराज सिंह भी मौजूद रहे।

FINANCE DEPARTMENT GOVERNMENT OF UTTARAKHA
FINANCE SECTION-1

No.- 575 /01(130) 2016/XXVII(1)/2021 Dehradun, Dated: 23 June,

PRESS NOTE

10 YEAR UTTARAKHAND GOVERNMENT STOCK 2031

The Government of Uttarakhand is floating a 10 year loan in order to finance development sche such as those relating to Power, Agriculture, Irrigation and Industries for economic growth of the S The Stock will be sold through the Reserve Bank of India by auction in the manner indicated i finance department notification **No. 574/01(130) 2016/XXVII(1)/2021, dated June 23, 2021.** successful bidders will be required to make payment on **June 30, 2021.** Which will be the da commencement of the tenure of the Stock. The loan will be repaid at par on June 30, 2031. The price will be Rs. 700.00 crore (nominal) interest at the rate determined by the Reserve Bank of on the basis of bids received, will be payable half yearly.

Interest in respect of the loan will be subject to tax under the Income Tax Act 1961. Subscrip

नमामि गंगे में शामिल की जाएं उत्तराखंड की प्रमुख नदियां

जल शक्ति मंत्री शेखावत से मिले पेयजल मंत्री चुफाल

उत्तर उजाला संवाददाता

हल्द्वानी। पेयजल मंत्री बिशन सिंह चुफाल ने जल शक्ति मंत्री भारत सरकार गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर उत्तराखंड राज्य की प्रमुख गंगा की सहायक नदियां काली गंगा (शारदा), कोसी, गौला, गोमती, सरयू, जमरानी, लोहावती, कोसी, सोंग, रिस्पना आदि की स्वच्छता एवं संरक्षण हेतु नमामि गंगे कार्यक्रम में सम्मलित करने का आग्रह किया है।

जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत से मुलाकात करते पेयजल मंत्री चुफाल

साथ ही जल प्रदूषण की रोकथाम एवं जन सुविधा के दृष्टिगत एसटीपी, स्नान एवं मोक्ष घाट की परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने का निवेदन किया। पेयजल मंत्री चुफाल ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण के दिशा निर्देशों के अनुरूप उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के जनपद ऊधमसिंह नगर के 9 पोल्यूटिंग स्ट्रेचेजस के आई एंड डी एवं सीवेज शोधन संयंत्र (एसटीपी) हेतु 226 करोड़ की लागत की सात डीपीआर एनएमसीजी को स्वीकृति हेतु प्रेषित किये गए है, जिन पर एनएमसीजी स्तर से कार्यवाही गतिमान है। उन्होंने इन प्रस्तावों पर शीघ्र निर्णय व निर्देशित करने का निवेदन किया। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए उचित कार्यवाही का आश्वासन दिया। पेयजल मंत्री चुफाल ने केंद्रीय मंत्री से प्रदेश के ऐसे परिवार जो राजस्व ग्रामों में नहीं रहते जैसे जिला नैनीताल में बिंदुखत्ता, उधमसिंह नगर में बग्गा चवन अनेकों गांव जो वन भूमि, सिविल फॉरेस्ट या शासकीय संपत्तियों पर वर्षों से रह रहे हैं उनको भी एफएचटीसी व जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत लाभांवित किये जाने का आग्रह किया। जल शक्ति मंत्री ने आश्वस्त किया कि उत्तराखंड राज्य को केंद्र की ओर से किसी भी प्रकार से धन की कमी नहीं आने दी जायेगी। उन्होंने कहा कि देवभूमि के लिए वह हर समय तैयार है। इस दौरान उनके साथ प्रबंध निदेशक पेयजल उदयराज सिंह भी मौजूद रहे।

गंगा की सहायक नदियों को नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल किया जाए

- ऊधमसिंह नगर जिले की कई परियोजनाएं एवं योजनाएं भी शामिल
- पेयजल मंत्री चुफाल ने केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से की भेंट

जासं, पिथौरागढ़ : पेयजल मंत्री विशन सिंह चुफाल ने दिल्ली में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मिल कर प्रदेश की गंगा की सहायक नदियों और पिथौरागढ़ जिले के चार प्रमुख घाटों को नमामि गंगे कार्यक्रम में शामिल करने की मांग की है। इसके अलावा ऊधमसिंह नगर के नौ पोल्यूटिंग स्ट्रेचेजस के आइ एंड डी एवं सीवेज शोधन संयत्र के लिए 226 करोड़ की लागत की सात डीपीआर एनएमसीजी को स्वीकृति के लिए प्रेषित किए। इस मौके पर राज्य की जलशक्ति को लेकर महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा की गई।

बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से शिष्टाचार भेंट के दौरान पेयजल मंत्री विशन सिंह चुफाल ने प्रदेश गंगा नदी की प्रमुख सहायक नदियों काली गंगा (शारदा), कोसी, गौला, गोमती, सरयू, जमरानी, लोहावती, सौंग, रिस्पना नदियों की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए नमामि गंगे कार्यक्रम में सम्मिलित करने की मांग की। पेयजल मंत्री ने केंद्रीय मंत्री के सम्मुख प्रदेश में वर्षों से राजस्व गांवों के स्थान पर वन भूमि, सिविल फॉरेस्ट और शासकीय संपत्तियों पर रह रहे लोगों को भी एफएचटीसी और जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अंतर्गत लाभान्वित करने की मांग की है। इस तरह के परिवार नैनीताल के बिंदुखत्ता ऊधमसिंह नगर के बग्गा चवन सहित अन्य स्थानों पर रहते हैं। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री शेखावत ने समस्या के निराकरण का आश्वासन देते हुए कहा कि उत्तराखंड को केंद्र की तरफ से किसी भी प्रकार की धन की कमी नहीं होने दी जाएगी। भेंट के दौरान प्रबंध निदेशक पेयजल उदयराज सिंह भी मौजूद रहे।

दिल्ली में केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत (दाएं) से भेंट करते काबीना मंत्री विशन सिंह चुफाल (बाएं) • जागरण

विस्तृत खबरों के लिए देखें
https://www.jagran.com/local/uttarakhand_nainital-news-hindi.html